इस्लाम के बारे में सच्चाई – भाग दो: (काबा का पत्थर/पहाड़)

काबा क्या है और क्या यह बाइबल में उल्लिखित है?
और क्या काबा की ओर मांस चढ़ाने वाले जानवरों को मारना सही है?

ध्यान दें: यह लेख किसी धर्म पर हमला करने, किसी की धर्मिक भावना ठेस पहुँचाने, या किसी को नीचा दिखाने के लिए नहीं है। इसका उद्देश्य केवल सटीक जानकारी देना है, ताकि हम समझ सकें कि जो कुछ हम मानते हैं और अन्य मानते हैं, उसकी सच्चाई क्या है।

यदि आपने भाग एक नहीं पढ़ा है, जो अल-अक्सा मस्जिद और उसके भविष्यवाणी पर आधारित था, तो आप इसे यहाँ पढ़ सकते हैं >>> [इस्लाम के बारे में सच्चाई – भाग एक: (अल-अक्सा मस्जिद)]

आज हम भाग दो में काबा के पत्थर और इसका ईसाई विश्वास से संबंध पर ध्यान देंगे।

काबा, या अल-क़बा अल-मुशर्रफ़ा, “सफेद पत्थर” की इमारत है जो मस्जिद अल-हरम के बीच में स्थित है, जिसे मक्का, सऊदी अरब में जाना जाता है।

इस्लाम धर्म में इसे “ईश्वर का घर” माना जाता है। ऐसा भी विश्वास है कि यह वह स्थान है जिसे परमेश्वर ने अब्राहम (इब्राहीम) और उनके पुत्र इसहाक को प्रकट किया था, जैसा कि कुरान में अल-इमरान 3:96 में लिखा है।

इस्लाम के बारे में सच्चाई – भाग दो: (काबा का पत्थर/पहाड़)

कुछ मान्यताओं के अनुसार, इस स्थान पर पहले से ही फरिश्ते ईश्वर की पूजा कर रहे थे और जब मनुष्य बनाया गया, तो आदम ने इसे फिर से पूजा स्थल के रूप में स्थापित किया। नूह के महाप्रलय के बाद यह स्थान लुप्त हो गया और इब्राहीम को यहाँ प्रकट किया गया।

इस्लामी मान्यता के अनुसार, अब्राहम ने अपने पुत्रों और आगंतुकों को मक्का जाने और वहां हज करने का आदेश दिया। यही कारण है कि हर साल मुस्लिम लोग मक्का हज के लिए आते हैं।

सत्य क्या है?

सबसे पहले यह जानना जरूरी है कि वाचा का पुत्र इसहाक था, जो सारा का पुत्र था, न कि इस्माइल, जो हाजिरा का पुत्र था।
हालांकि परमेश्वर ने इस्माइल को भी आशीर्वाद दिया, वह प्रथम पुत्र के वंशानुक्रम में नहीं था। यही कारण था कि सारा ने हाजिरा को निकाल दिया और परमेश्वर सारा के पक्ष में खड़े हुए।

उत्पत्ति 21:9-14
9 सारा ने देखा कि हाजिरा का पुत्र, जो इब्राहीम को जन्मा,
उस पर ताना मारा।
10 सारा ने इब्राहीम से कहा, “इस दासी और उसके पुत्र को
निकाल दो; दासी का पुत्र मेरे पुत्र इसहाक का भागीदार नहीं

इस्लाम के बारे में सच्चाई – भाग दो: (काबा का पत्थर/पहाड़)

होगा।”
11 यह बात इब्राहीम को बुरी लगी।
12 परन्तु परमेश्वर ने इब्राहीम से कहा, “इस बात को अपने दिल
में मत रखो। उस दासी का पुत्र भी तेरे वंश का हिस्सा होगा।” 13-14 इब्राहीम ने सुबह जल्दी उठकर हाजिरा और उसके पुत्र को खाना-पानी देकर जंगल में छोड़ दिया।

इस्लाम धर्म मानता है कि इस्माइल ही वाचा का पुत्र है, जबकि बाइबल में ऐसा नहीं कहा गया। यही बड़ी भ्रांति की शुरुआत हुई।

असलियत यह है कि अब्राहम ने हाजिरा और इस्माइल को छोड़ दिया, और इसके बाद इस्माइल के बारे में विशेष रूप से ध्यान नहीं दिया।

बाइबल स्पष्ट करती है कि इसहाक से याकूब का जन्म हुआ, और याकूब से इस्राएल का वंश। इसी वंश से राजा दाऊद जन्मे, और भगवान ने दाऊद के शहर यरूशलेम को अपनी पूजा स्थल बनाने के लिए चुना।

2 इतिहास 6:5-6

“मैंने मिस्र से अपने लोगों को निकालते समय किसी भी शहर को नहीं चुना कि वहां मेरा नाम हो; परन्तु मैंने यरूशलेम को
चुना और दाऊद को यहूदी लोगों का राजा बनाया।”

इस्लाम के बारे में सच्चाई – भाग दो: (काबा का पत्थर/पहाड़)

इस प्रकार, वर्षों तक यहूदियों ने यरूशलेम में ही पूजा की। और यहूदी यहां से दूर रहते हुए भी यरूशलेम की ओर मुख करके प्रार्थना करते थे। उदाहरण के लिए, दानीएल ने भी ऐसा किया (दानीएल 6:10)।

इसलिए, जब मुसलमान पहले काबा की ओर मुख करके पूजा करते थे, उनकी पहली किबला यरूशलेम थी।

परंतु यीशु मसीह के आने के बाद, सच्ची पूजा अब किसी स्थान विशेष पर नहीं बल्कि आत्मा में और सत्य में होती है।

यूहन्ना 4:19-26

19 महिला ने कहा, “प्रभु, मुझे लगता है कि आप नबी हैं।”
20 उन्होंने कहा, “हमारे पूर्वज इस पहाड़ पर पूजा करते थे और
आप कहते हैं कि यरूशलेम ही पूजा का स्थान है।”
21 यीशु ने कहा, “माँ, समय आता है और अब है, जब सच्चे उपासक पिता को आत्मा और सत्य में पूजा करेंगे।”
24 “परमेश्वर आत्मा हैं; और जो उसे उपासना करें, उन्हें आत्मा और सत्य में उपासना करनी होगी।”

इस्लाम के बारे में सच्चाई – भाग दो: (काबा का पत्थर/पहाड़)

इसका अर्थ यह है कि यदि किसी के अंदर पवित्र आत्मा नहीं है, तो कोई भी भौतिक स्थान, चाहे वह यरूशलेम हो या मक्का, सच्ची पूजा का स्थान नहीं बन सकता।

1 कुरिन्थियों 3:16 – “क्या आप नहीं जानते कि आप परमेश्वर का मन्दिर हैं और परमेश्वर का आत्मा आप में वास करता है?”

इसलिए, जो लोग यरूशलेम या मक्का जाते हैं केवल पूजा के लिए, यदि वे मानते हैं कि वहां कोई पवित्र भूमि है, तो यह गलती है। सच्ची पूजा अब आत्मा में और सत्य में है।

मांस का मामला भी ऐसा ही है। यदि कोई मांस किसी विशेष दिशा की ओर नहीं चढ़ाया गया है, तो विश्वासपूर्वक इसे खरीद और प्रयोग किया जा सकता है।

1 कुरिन्थियों 10:25-29 – “जो कुछ बाजार में बिकता है, उसे
बिना प्रश्न किए खाओ, यह तुम्हारी अंतरात्मा के अनुसार हो।”

अगले लेख में हम ज़मज़म के कुएँ और उससे जुड़ी आध्यात्मिक खतरे

इस्लाम के बारे में सच्चाई – भाग दो: (काबा का पत्थर/पहाड़)

की चर्चा करेंगे।

भगवान आपको आशीर्वाद दें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp